दिनांक 11.12.2010 को सम्पन्न चौथी एलुम्नाई मीट, ए0जी0एम0 तथा ग्रामीण विकास हेतु टिकाऊ खेती (Sustainable Agriculture for Rural Development) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवृत्त।

कार्यक्रम मुख्य अतिथि डा0आर0एस0 कुरील, कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ आरम्भ हुआ। इसके बाद गृह विज्ञान संकाय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया, तदोपरान्त मुख्य अतिथि डा0आर0एस0कुरील, कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं एलुम्नाई एसोशिएसन के संरक्षक डा0जी0सी0तिवारी, नेशनल सिम्पोजियम के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डा0एच0बी0 द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि डा0टी0पी0त्रिवेदी, परियोजना निदेशक, पीडा आई0सी0ए0आर0,नई दिल्ली, एसोशिएसन के अध्यक्ष डा0एस0के0सिंह को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इसके बाद डा0एस0के0सिंह, अध्यक्ष एल्युमिनाई एसोशिएसन द्वारा इस अवसर पर पधारे मुख्य अतिथि, कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संरक्षक, विशिष्ट अतिथि सहित एसोशिएसन के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों, विश्वविद्यालय के सम्मानित अधिकारी गणों, एसोशिएसन के माननीय सदस्यों एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से आये प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए एसोशियेसन के उद्देश्यों एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। डा0सिंह ने कहा कि इस एसोशिएसन का उद्देश्य इसके सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षिक, शोध एवं प्रसार के साथ–साथ सामाजिक गतिविधियों द्वारा विश्वविद्यालय के उत्थान में सहयोग करना है, तत्पश्चात डा0केशव प्रसाद, "सरस" द्वारा अभिनन्दन गीत प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद एसोशिएसन के महासचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक सचिव डा0वेद रत्न ने सिम्पोजियम के थीम से अवगत कराते हुए कहा कि साठ के दशक में आयी हरित क्रान्ति के माध्यम से राष्ट्र ने खाद्यान में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर लिया, परन्तु भूमि की घटती उर्वरा शक्ति, रोग एवं कीटों के प्रबन्धन हेतु आवश्यक कदम उठाना समय की मॉग है, साथ ही बढ़ती हुयी जनसंख्या के लिए भोजन उपलब्ध कराने हेतु टिकाऊ खेती के विभिन्न विकल्पों पर विचार करना है।

मुख्य अतिथि महोदय को माननीय कुलपति डा0जी0सी0तिवारी द्वारा, माननीय कुलपति को एसोशिएसन के अध्यक्ष डा0एस0के0सिंह द्वारा, विशिष्ट अतिथि को एसोशिएसन के उपाध्यक्ष कैप्टन एस0सी0त्रिपाठी द्वारा शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर एसोशिएसन की तरफ से सम्मानित किया गया। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय के पादप प्रजनन एवं अनुवाशिकी विभाग के वैज्ञानिक डा0 राजेन्द्र कुमार यादव एवं डा0 रामकृष्णा द्वारा लिखित पुस्तक"प्रायोगिक आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा माननीय कुलपति द्वारा इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका एवं सारांश (Abstract) का विमोचन किया गया।

उदघाटन अवसर पर अपने सम्बोधन में विशिष्ट अतिथि डा0टी0पी0त्रिवेदी ने कहा कि एलुम्नाई मीट एक ऐसा अवसर है जहॉ पर हम अपने पुराने साथियों के साथ मिलकर अतीत की यादे ताजा करते हैं वहीं अपने ज्ञान एवं अनुभव द्वारा शैक्षणिक संस्थान तथा उसके छात्रों के हित के माध्यम से सामाजिक कल्याण भी कर सकते है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि पुस्तकों में उपलब्ध ज्ञान मात्र पुस्तकालयों एवं कम्प्यूटर की शोभा न बन जायें, बल्कि उनका अधिकाधिक लाभ शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में व्यावहारिक रूप में किया जाय।

मुख्य अतिथि डा0कुरील ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व छात्र होने के कारण हमारा यह उत्तरदायित्व है कि इस विश्वविद्यालय की गरिमा को बनाये रखने हेतु हम सदैव सजग रहें। उन्होंने कहा कि लगातार फसलोत्पादन से भूमि की उर्वराशक्ति में हो रही गिरावट को रोकना अत्यन्त आवश्यक है जिसे एकीकृत नाशी जीव प्रबन्धन, एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन के साथ ही कृषि की विभिन्न विधाओं को समायोजित करते हुए किया जा सकता है, तभी देश की बढ़ती हुयी जनसंख्या हेतु भोजन उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा।

अध्यक्षीय सम्बोधन में एसोशिएसन के संरक्षक डा0जी0सी0तिवारी ने कहा कि पूर्व छात्र अपने ज्ञान को विश्वविद्यालय में कार्यरत छात्रों एवं किसानों के बीच फैलाकर उसका अधिकाधिक लाभ दे। उन्होंने आवाहन किया कि वैश्विक स्तर पर हो रहे परिवर्तनों को हम नजरन्दाज नहीं कर सकते अतः आने वाले समय में इसी के दृष्टिगत कृषि शिक्षा एवं कृषि उत्पादन हेतु तकनीकी एवं उनका प्रचार–प्रसार करना समीचीन होगा।

उदघाटन कार्यक्रम की समाप्ति पर नेशनल सिम्पोजियम के अध्यक्ष डा0एच0बी0द्विवेदी द्वारा मुख्य अतिथि, संरक्षक एवं अध्यक्ष महोदय, विशिष्ट अतिथि सहित आये हुए सभी पदाधिकारियों, पूर्व छात्रों विभिन्न समितियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों, विभिन्न फर्मो एवं मीडिया प्रतिनिधियों सहित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम डा0आर0के0सिंह, पूर्व निदेशक शोध, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा Climate Change Impacting Agriculture : Do We Have Research Priorities Right एवं कानपुर कृषि विश्वविद्यालय के वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा0एच0पी0चौधरी द्वारा Natural Resource Management in Sustainable Development Need Strong Will of Govt., PIAs and People विषय पर लीड लैक्चर प्रस्तुत किया गया जिसकी अध्यक्षता डा0आर0के0पाठक, पूर्व विभागाध्यक्ष द्वारा की गयी।

इसके बाद शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण में सिम्पोजियम में आये वैज्ञानिकों द्वारा शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया जिसकी अध्यक्षता डा0नत्था राम पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम भोपाल, ने किया। शोध पत्रों के पोस्टर सत्र में लगाये गये पोस्टरों का मूल्यांकन डा0के0डी0उपाध्याय की अध्यक्षता में मूल्यांकन समिति द्वारा किया गया। भोजनावकाश के बाद सभी तकनीकी सत्रों के रिपोर्टियर्स (डा0 मुनीश गंगवार, डा0जे0राय एवं डा0कृपा शंकर) द्वारा प्लीनरी सेशन में विभिन्न तकनीकी सत्रों के सार तत्वों को प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद चौथी एलुम्नाई मीट की ए0जी0एम0 आरम्भ हुयी। सबसे पहले एसोशिएसन के महासचिव डा0वेद रत्न ने गत एक वर्ष में एसोशिएसन के उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया। तत्पश्चात एजेण्डावार गहन चर्चा के उपरान्त निम्न निर्णय लिये गये :

प्रस्ताव संख्या–1 : गत वर्ष (2009) सम्पन्न तीसरी एलुम्नाई मीट एवं ए0जी0एम0 के अवसर पर लिए गये निर्णयों की पुष्टि।

सर्व सम्मति से निर्णयों की पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या–2 : कार्यकारणी परिषद द्वारा वर्ष 2010 में कार्यकारिणी परिषद द्वारा प्रस्तावित सम्मानित सदस्य के रूप में डा0आर0के0सिंह के नाम का अनुमोदन।

प्रस्ताव को सहर्ष ध्वनि मत के साथ सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। अनुमोदनोपरान्त डा0आर0के0सिंह को मन्चासीन कराकर एसोशिएसन के अध्यक्ष डा0एस0के0सिंह द्वारा शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा0आर0के0सिंह ने एसोशिएसन के सभी पदाधिकारियों एवं सम्मानित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके पास जो भी ज्ञान रूपी शक्ति है उसका विश्वविद्यालय के हित में सदैव उपयोग करने हेतु वह तत्पर रहेंगे।

प्रस्ताव संख्या–3 : विश्वविद्यालय में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर प्रवेश लेने वाले छात्रों का प्रवेश के समय ही एल्युमिनाई एसोशिएसन में पंजीकरण का प्रस्ताव।

प्रस्ताव पर गहन विचारोपरान्त सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर अन्तिम सेमेस्टर के पंजीकरण के समय ही आजीवन सदस्यता शुल्क जमा कराया जाय साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाय कि एसोशिएसन में एक छात्र का एक ही बार पंजीकरण हो।

प्रस्ताव संख्या–4 : गत ए0जी0एम0 में लाइफ टाइम एचीवमेन्ट एबार्ड हेतु नियमावली बनाने के लिए गठित समिति की संस्तुति का अनुमोदन।

नियमावली बनाने हेतु गठित समिति द्वारा तैयार की गयी नियमावली, नोटीफिकेशन एवं नौमिनेशन हेतु प्रपत्र को ही गहन विचार विमर्श के उपरान्त सर्व सम्मति से अनुमोदित किया गया।

प्रस्ताव संख्या–4 : एसोशिएसन की सदस्यता शुल्क में परिवर्तन हेतु निम्नवत् दो प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये।

I. वार्षिक सदस्यता शुल्क रू0 500/– (रू0पॉच सौ मात्र) तथा एसोशिएसन के नियमानुसार वार्षिक सदस्यता शुल्क के 10 गुना को 5 गुना करते हुए रू0 5000/– (रू0पॉच हजार मात्र) की जगह रू0 2500/– (रू0 दो हजार पॉच सौ मात्र) दो समान किस्तों में देने का प्रस्ताव।

II. वार्षिक सदस्यता शुल्क रू0 500/– (रू0पॉच सौ मात्र) को कम करते हुए रू0 250/– (रू0 दो सौ पचास मात्र) तथा एसोशिएसन के नियमानुसार आजीवन सदस्यता शुल्क वार्षिक सदस्यता शुल्क को 10 गुना करते हुए रू0 5000/– (रू0 पॉच हजार मात्र) दो समान किस्तों में करने का प्रस्ताव।

उपरोक्त दोनों प्रस्तावों पर काफी विचार विमर्श के पश्चात सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि वार्षिक सदस्यता शुल्क रू0 500/– (रू0 पॉच सौ मात्र) ही रखा जाय साथ ही एसोशिएसन के वाइलाज में निहित प्राविधान (वार्षिक सदस्यता शुल्क का 10 गुना आजीवन सदस्यता शुल्क) को शिथिल करते हुए आजीवन सदस्यता शुल्क को वार्षिक सदस्यता शुल्क के 10 गुना की जगह 5 गुना करते हुए रू0 2500/– (रू0 दो हजार पॉच सौ मात्र) रखा जाय।

कार्यक्रम का समापन कार्यकारणी के सम्मानित सदस्य डा0बी0एल0खान द्वारा सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

Approved.

(वेद रत्न)	(मुनीश गंगवार)	(जी0सी0तिवारी)
महा सचिव, एलुम्नाई एसोशिएसन	उपाध्यक्ष, एलुम्नाई एसोशिएसन	संरक्षक, एलुम्नाई एसोशिएसन एवं कुलपति